



केंद्रीय विद्यालय  
डब्लू सी एल चंद्रपुर  
विद्यालय पत्रिका २०१८ - २०१९

संरक्षक

सुश्री. अनिता मागो

मार्गदर्शक

सुश्री. अनिता मागो

संपादक मंडल

- संगणक विभाग – श्री. दीपक पंढरी वारजुरकर, संगणक स्नातकोत्तर शिक्षक  
हिन्दी विभाग – कु. माया निषाद, हिन्दी स्नातकोत्तर शिक्षक  
संस्कृत विभाग – श्री. सुरेन्द्र कुमार, संस्कृत स्नातक शिक्षक  
अंग्रेजी विभाग – श्री. महेश गाकरे, अंग्रेजी स्नातकोत्तर शिक्षक  
कला विभाग – श्री. विमलेश कुमार, कला शिक्षक

# हिंदी विभाग

## ‘जो सामने है उसे बुरा कहते है , और जिसे कभी देखा भी नहीं उसे खुदा कहते है ।’

एक माँ चटाई पर लेती आराम से सो रही थी | कोई स्वप्न सरिता उनका मन भिगो रही थी |

तभी उसका बच्चा गुनगुनाते हुए आया | माँ के पैरो को छूकर हल्के- हल्के से हिलाया |

माँ उनींदी –सी चटाई से बस थोडा उठी ही थी , तभी उस नन्हे ने हलवा खाने की जिद कर दी थी |

माँ ने उसे पुचकारा और गोद में ले लिया , फिर पास ही ईंटोसे बने चूल्हे का रुख किया |

फिर उसने चूल्हे पर एक छोटी सी कढाई रख दी | फिर आग जलाकर कुछ देर उसे तकती ही रही |

फिर बोली, ‘ बेटा जब तक उबल रहा है ये पानी, क्या सुनोगे तबतक कोई परियों वाली कहानी ?’

मुन्ने की आँखे अचानक खुशी से थी खिल गयी, जैसे कोई मुँह मांगी मुराद हो उसे मिल गयी |

माँ उबले हुए पानी में कल्ह ही चलाती रही, परियों का कोई किस्सा मुन्ने को सुनाती रही |

फिर वो बच्चा उन परियों में ही जैसे खो गया , सामने बैठे बैठे लेटा और वही पर सो गया |

फिर माँ ने उसे गोद में लिया और मुस्कराई , पता नहीं क्यों उसकी आँखे भर आई ?

जैसा दिख रहा था , वहा पर सब वैसा नही था, घर में एक रोटी की खातिर भी पैसा नही था |

राशन के डिब्बो में तो बस सन्नाटा पसरा था , कुछ बनाने के लिए घर में कहा कुछ धरा था |

न जाने कबसे घर में चूल्हा ही नही जला था, चूल्हा भी तो बेचारी माँ के आँसुओ से गला था |

फिर उस बेचारे को वो हलवा कहा से खिलाती? उस जिगर के टुकड़े को रोता भी कैसे देख पाती ?

वो मजबूरी, माँ उस नन्हे को कैसे समझाती ? या फिर फालतू ही नन्हे पर क्यों झुंझलाती ?

इसलिए हलवे की बात वो कहानी में टालती रही | जबतक वह सोया नही , पानी ही उबलती रही |

माँ , माँ है | उसकी जगह कोई नही ले सकता | क्या बात करे यारो इस दुनिया की ?

“जो सामने है उसे बुरा कहते है , और जिसे कभी देखा भी नही , उसे खुदा कहते है ....”

अवंतिका खोब्रागडे

कक्षा ९

## मेरे पापा



मेरे पापा

जब मम्मी डांट रही थी , तो कोई चुपके से हँसा रहा था ,

वो थे मेरे पापा .....

जब मैं सो रही थी , तब कोई चुपके से सर पर हाथ फिरा रहा था ,

वो थे मेरे पापा .....

जब मैं सुबह उठी, तो कोई बहुत थककर भी काम पर जा रहा था ,

वो थे मेरे पापा .....

सपने तो मेरे थे , पर उन्हें पूरा करने रास्ता कोई ओर बताए जा रहा था ,

वो थे मेरे पापा .....

खुद कड़ी धूप में रहकर कई मुझे ए.सी. में सुला रहा था ,

वो थे मेरे पापा .....

मैं तो अपने खुशियों में हँसती हूँ , पर हँसी देखकर कोई अपने गम भुलाए जा रहा था ,

वो थे मेरे पापा .....

फल खाने की ज्यादा जरूरत तो उन्हें थी , पर कोई मुझे सेब खिलाये जा रहा था ,

वो थे मेरे पापा .....

खुश तो मुझे होना चाहिए वो मुझे मिले , पर मेरे जन्म लेने की खुशी कोई ओर मनाए जा रहा था ,

वो थे मेरे पापा .....

ये दुनिया पैसो से चलती है , पर कोई मेरे लिए पैसे कमाए जा रहा था ,

वो थे मेरे पापा .....

पेड़ तो अपना फल कहा नहीं सकता ,इसलिए हमें दे देता है ,  
पर कोई अपना पेट खली रखकर भी , मेरा पेट भरे जा रहा था ,  
वो थे मेरे पापा .....

## क्या आप जानते हो



- १) धरती पर प्रतिदिन ८ करोड़ बार बिजली कड़कती है |
- २) जिराफ एक दिन में सिर्फ बीस मिनट तक सोते है | परन्तु कई बार वह २ घंटे तक भी सो जाते है , परन्तु ऐसा बहुत कम होता है |
- ३) चमगादड़ों के सुनने की क्षमता बहुत ज्यादा होती है , और एक बाल की हरकत को भी सुन सकते है |
- ४) किवी विश्व का अकेला ऐसा पक्षी है जिसके पंख नहीं होते |
- ५) टिड्डे का खून सफ़ेद रंग का होता है |
- ६) सबसे बड़ी कोशिका शुतुरमुर्ग नामक पक्षी का अंडा होती है |
- ७) हमारे मुँह में एक दिन में १ लिटर लार(Saliva) बनती है |
- ८) अगर किसी पेड़ पर लगे अननस को उल्टा क्र दिया जाए तो यह जल्दी पक जाता है |

श्रावणी ठाकुर

कक्षा ९

## जोक्स



१ ) रमेश : डॉक्टर साहब , कोई लम्बी उम्र का तरीका बताइए ।

डॉक्टर : शादी कर लो ।

रमेश : क्या इससे उम्र लम्बी हो जाएगी ?

डॉक्टर : नहीं , यह शौक खत्म हो जाएगा ।



२ ) अध्यापिका : मोटर साइकिल के कितने पहिये होते हैं ?

छात्र : ६ टायर

अध्यापिका : कैसे ?

छात्र : ४ मोटर के , २ साइकिल के ।



३ ) मुकेश : डॉक्टर , मुझे एक समस्या है ?

डॉक्टर : क्या ?

मुकेश : बात करते वक्त आदमी दिखाई नहीं देता ।

डॉक्टर : ऐसा कब होता है ?

मुकेश : फोन करते वक्त ।



४ ) चिंटू : मंदिर के बहार चप्पल रखने में और मिस कॉल देने में क्या चीज कॉमन है ?

मिनी : दोनों में दर लगा रहता है की कोई उठा न ले ।

श्रावणी ठाकुर

कक्षा ९

## बेटीयाँ

ओस की बूंदों सी होती है बेटीयाँ,  
स्पर्श खुरदुरा हो तो रोती है बेटीयाँ |  
रोशन करेगा बेटा तो एक कुल को,  
दो-दो कुलो की लाज होती है बेटीयाँ |  
दोस्तों में कोई नहीं एक दुसरे से कम,  
हीरा अगर है बेटा, तो मोती है बेटीयाँ |



काँटों की राह खुद चलती रहेगी,  
औरों की राह पर फुल बिखेरती है बेटीयाँ |  
विधी का विधान है, यही दुनिया की रस्म है,  
मुट्टी में भर रेट सी होती है बेटीयाँ |  
ओस की बूंदों सी होती है बेटीयाँ |  
ऐसी होती है बेटीयाँ |

नेहा माथाने

कक्षा ९

## बेटी को तुम बोझ न समझो |

बेटी को तुम बोझ न मानो  
वह तो अपना ही खून है |  
बेटे बेटी में फर्क न जानो  
एक डाल के दो प्रसून है |  
किसी बगिया की कलि है,

किसी घर की वो आन है |

बेटी माँ और बहिन है ,

बेटी तो घर की शान है |



बेटी को जो शिक्षित करोगे ,

सारा घर तब शिक्षित होगा |

देश तब ही विकसित होगा |

बेटी को तुम गैर ना मानो

शिक्षक और डॉक्टर है ,

उसे पराया धन न समझो

अधिकारी और इंजिनियर है |

बेटी को तुम गैर न समझो ,

बेटी अभिशाप नहीं जगत में ,

बेटी तो ईश्वर का वरदान है |

चैताली मोगरे

कक्षा ९

## किससे क्या सीखा ?

मैंने माता से सीखा , जग ममता से महकना |

चाँद सितारों से सीखा , निशि में अमृत बरसाना ||

शुद्ध सलिल से सीखा मैंने सबका मन हर्षाना |

और धुएँ से सीखा मैंने , उपर से उठ जाना ||

मैंने नदी नालो से सीखा, हरदम आगे बढ़ना |

त्यागी तरुवर से सिखा है, सबकी सेवा करना ||



सूर्य रश्मियों से सीखा है , अन्धकार को हराना ।  
मैंने बापू से सिखा है , कष्टों में मुस्काना ।  
वीर जवाहर से सीखा है , पतझड़ में भी गाना ॥  
है सुभाष से मैंने सीखा जनता का मन हरना ।  
अपना तक अस्तित्व मिटा कर सबकी सेवा करना ॥

नेहा माथाने

कक्षा ९

## पहेलियाँ

१ ) करता नकल व्यक्ति की

मई शाखामृग हूँ कहलाता ।

पूछो अदरक का जायका अगर

तो मई बना नहीं पाता ।

४ ) एक चीज आई ऐसी

सुबह चार टांगोपर ।

दोपहर को दो पर

शाम को तिन पर ।

२ ) सरपट लगा हरा झंडा

कितना मीठा और रसीला ।

सफ़ेद तन हरी पूँछ

न बुझे तो नानी से पूँछ ।

३ ) तिन पैर की चंपा रानी

शाम- सवेरे नहाय ।

चावल दाल को छोडकर

कच्ची रोटी खाय ।

उत्तर : १) बंदर २) मूली ३) चकला – बेलन ४) बचपन , जवानी, बुढ़ापा

चैताली मोगरे

कक्षा ९

## वक्त

कितनी भी कोशिश करो पर ,वक्त नहीं रुकता है |

भयानक आँधी तूफान के आगे , वक्त नहीं झुकता हे |

हमें वक्त के साथ है चलना ,वक्त साथ नहीं आता |



एक बार जो पल बीता ,वह हाथ कभी नहीं आता |

टूट डाल से पत्ता गया जो ,वापस कहाँ जुड़ता है |

कितनी भी कोशिश करो पर ,वक्त नहीं रुकता है |

वक्त सदा बलवान रहा ,हर कोई वक्त से हारा |

जिसका वक्त से कदम मिला,रहा वक्त उसी का प्यारा |

वक्त से पहले जो सोये, जीवन में वही उठता है |

कितनी भी कोशिश करो पर, वक्त नहीं रुकता है |

माही सोहिया

कक्षा ६

## हँसना

हँसते हँसते जागो बच्चों

हँसते हँसते सोओ ,

हँसते हँसते खेलो हिलमिल

हँसते हँसते गाओ |

जीवन में जो भी सुख दुःख हो



हँसते हँसते काटो ,  
दुःख के बादल छंट जाएँगे  
सुख के पल तुम बांटो

पूर्वाक्षा पानसे

कक्षा ६

## बताओ तो जानें

१) सबसे ज्यादा तेज हूँ,  
मेरी आँख है सिर्फ एक,  
फिर भी देख न पाऊं,  
कम करूँ तुम्हारा अनेक।

२) मेरा एक चेहरा है,  
पर आँखें एक भी नहीं,  
मेरे हाथ तो है,  
लेकिन तली बजाता नहीं।

३, रात रात भर खुशबु फैलाती (   
खूब खिला कर फुल  
दिन निकलते ही फूलो को,  
मै महकाना जाती भूल।

४ नहीं मै मिलती बाग में (   
आधी फल हूँ। आधी फुल,  
काली हूँ पर मीठी हूँ।  
कहा के न पाया कोई भूल।

५, बिना हाथ पैरो के (   
चल के न तैर कर,

सबके घर चला जाऊं  
बिना किसी देर के |  
६ ,मेरे बच्चे काले , मै हु हरी (   
मुझे छोड़ मेरे बच्चे खा ले |  
७ इस पक्षी ने न सीखा संगीत कहीं पर (   
न सिखा कोई गीत |  
लेकिन इसकी मीठी वाणी में  
भरा हुआ संगीत |  
८ (सोने को पलंग नहीं ,  
न ही महल बनाए |  
एक रुपया पास नहीं ,  
फिर भी राजा कहलाए |  
उत्तर सुई(1:, २)घड़ी, ३ ,रजनीगंधा(४ ,गुलाबजामुन(५ ,पत्र(६,इलायची( ७कोयल(, ८)शेर

श्रावणी ठाकुर  
कक्षा ९



## आँसू और मुस्कान



आँसू अपने मुस्कान पराई ,  
आँसू बहते मुस्कान खिलती |  
आँसू पलकों में छिप जाते ,  
मुस्काने चारों ओर बिखर जाती |  
आँसू सिमट जाते भीगे तकियों ,  
भीगे केशों और भीगे गालों पे |  
मुस्कान चहकती खिल जाती ,  
चारों ओर सभी के होठों पे |  
मुस्काने सुख में खिलती ,  
आँसू कभी भी छलकते |  
मुस्कान चंचल तो आँसू धीर ,  
मुस्कान प्रखर तो आँसू नीर |

मुस्कान भेड़ छुपाती गहरे ,  
आँसू मुखरित हो सब कह जाते |  
साथ हमारा दोनों निभाते ,  
बोझिल पलकों को हल्का कर जाते |  
दोनों बांटते एकाकीपन ,  
हल्का कर जाते बोझिल मन |

ध्रुविता चौकीकर  
कक्षा ९

## आत्मविश्वास

जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए आत्मविश्वास बहुत जरूरी होता है | आत्मविश्वास का अर्थ होता है –स्वयं में विश्वास रखना | आत्मविश्वास के बिना जीवन एक ऐसे फूल के समान है , जिनमे खुशबू नहीं होती | यह भी कहा जाता है की , आत्मविश्वास के बिना कोई व्यक्ति एक ऐसी कर के समान है , जो बहुत महँगी और सुन्दर तो है लेकिन उसमें पेट्रोल नहीं है | सच यह है की कोई भी व्यक्ति चाहे कितना भी होशियार क्यों न हो , बिना आत्मविश्वास के वह सफलता प्राप्त नहीं कर सकता | दुनिया में जितने भी सफल व्यक्ति है, प्रत्येक में एक गुण जरूर होता है है और वह है – आत्मविश्वास |

अतः आत्मविश्वास को सफलता का आधार कहा जा सकता है | यदि जीवन में सफलता के लिए आत्मविश्वास इतना जरूरी है , तो सभी के मन में एक प्रश्न जरूर आता है की – आत्मविश्वास को कैसे बढ़ाया जाए ?

आत्मविश्वास को बढ़ाने के ये तरीके आपका जीवन बदल सकते है और आपको सफलता के मार्ग पर ले जा सकते है |

### १) छोटे छोटे लक्ष्य बनाए |

आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए आप अपने किसी बड़े लक्ष्य को छोटे छोटे लक्ष्य में विभाजित कर सकते है | ऐसा करने से जब आपका एक छोटा लक्ष्य हासिल हो जाएगा तो आपका आत्मविश्वास भी बढ़ जाएगा और आप अगले छोटे लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रेरित हो जाएंगे | जैसे जैसे आप अपने जीवन में छोटे लक्ष्योंको पूरा करते जाएँगे , वैसे वैसे आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा |

### २) आँखोंसे आँखे मिलाकर बात करना |

पुरे दिन हमें बहुत से लोगों से मिलना होता है | जब भी किसी से मिले तो उनसे आँखों से आँखे मिलकर रखें | लोगों से आँखों से आँखे मिलाकर बात करने से हमारा आत्मविश्वास बढ़ता है और सामने खड़े व्यक्ति को भी यह महसूस होता है की उसकी बातों में रूचि ली जा रही है |

### ३) गलती करने से मत डरो |

दुनिया में कोई ऐसा सफल इंसान नहीं है , जिसने कभी कोई गलती न की हो | अपनी गलतियों से सीखना बहुत जरूरी है | यदि आपने अपनी गलतियों से सीखना शुरू कर दिया तो गलतिया आपको डराएंगी नहीं |

### ४) रिस्क लेने से मत डरो |

रिस्क लेना भी जीवन के लिए बहुत जरूरी है | रिस्क जरूर लीजिए | यदि सफल हुए तो सीख या सबक मिलेगा | और जब भी हम कुछ सीखते हैं तो हमारा आत्मविश्वास बढ़ता है |

#### ५) किसी भी कार्य को मत टालो |

कोई भी कार्य समय रहते पूरा कर डालिये | यदि आप कार्यों को टालते हैं तो वह कार्य आपके ऊपर एक नकारात्मक दबाव बनाते हैं , जिससे आपका आत्मविश्वास कम हो जाता है | इसीलिए सभी काम समय पर पूरा करें |

वैष्णवी सिल्वेरवार

कक्षा ८

## माँ

माँ के बिना जीवन संभव नहीं है | माँ जननी है , असहनीय शारीरिक कष्ट के उपरान्त वह शिशु को जन्म देती है | माँ के स्नेह एवं त्याग का पृथ्वी पर दूसरा उदाहरण मिलना सम्भव नहीं है | इस संसार में माँ की तुलना किसी से नहीं की जा सकती | परिवार में माँ का महत्त्व सबसे बड़ा है | परिवार में अगर माँ ही दुखी हो तो पूरा घर सुना सुना लगता है | दिन में घर से बाहर काम-काज में खटने के बाद भी घर परिवार का दायित्व संभालने का सामर्थ्य माँ में ही सम्भव है | माँ देवताओं के समान पूजनीय होती है | वास्तव में माँ परिवार में सर्वाधिक सम्मान की अधिकारी है | माँ का महत्त्व सबसे बड़ा होता है | आधुनिक समाज में माँ को दोहरा जीवन व्यतीत करना पड़ रहा है | माँ का महत्त्व ही कुछ और है |



अतिर्था वनकर

कक्षा ८



देश मेरा था सोने की चिड़िया

फेंक के साड़ी , उतार के चुड़िया

अब यहाँ डोले पश्चिमी गुड़िया

सोना ले गये बेदर्द फिरंगी

रोये चिड़िया देख पेड़ों की तंगी  
इतिहास था जिसको महान गाथा  
आज वहां समाज बना दोरंगी  
उनके ही तन के दो हिस्से भारत –पाक  
तैयार खड़े लड़ने को परमाणु जंगी  
कही खो गए महान नेता  
देश अब झेले चाले बेढंगी  
इंतजार है उस खुशनुमा पल का  
जब संतो की पावन धरती पर  
खिलेगा कोई नेक फ़रिश्ता ,  
बरसाने को मेघ सतरंगी |

अतिर्था वनकर

कक्षा ८

## विचार

- १ ) गलती कबुल करने और गुनाह छोड़ने में कभी देर नही करनी चाहिए क्योंकि सफ़र जितना लम्बा होगा , वापसी उतनी ही मुश्किल होगी |
- २ ) इंसान तब समझदार नही होता जब वह बड़ी बड़ी बातें करने लगे , बल्कि समझदार तब होता है जब वह छोई छोटी बातें समझने लगे |
- ३ ) समय , सेहत और संबंध इन तीनों पर कीमत का लेबल नही लगा लगा होता है लेकिन जब हम इन्हें खो देते है तब इनकी कीमत का एहसास होता है |
- ४) कोई टूटे तो उसे सजाना सीखो , कोई रूठे तो उसे मनाना सीखो , रिश्ते तो मिलते है मुकद्दर से , बीएस इन्हें खूबसूरती से निभाना सीखो |
- 5 ) दुनिया में बेहतरीन रिश्ता वही होता है जहा एक मामूली सी मुस्कराहट और हलक सी सॉरी से जिन्दगी दुबारा पहले जैसी ही जाती है |

अवंतिका खोब्रागडे

कक्षा ९

# Science



## SCIENCE RIDDLES

1. What sheds water and prevents diseases?

2. I'm your follower in the light  
Yet I'm invisible in the night,  
At various sizes I appear  
I won't harm you, have no fear.  
Who am I?

3. I can be converted  
From one form to another and  
transported  
From one place to another

Yet you cannot create or destroy me.  
Who am I?

4. This is a fruit that contains water  
And also provide milk as well as oil,  
If you ever want to see one growing  
On a palm tree where you should be  
looking.  
Can you name this fruit?

5. Sometimes you will get wet  
But it is not because you cry,  
In rain you hold this  
And it keeps you dry

**Ans.: 1. Waxy and leathery leaves, 2. Shadow, 3. Electricity, 4. Coconut, 5. Umbrella**

**(By , Nikita , Khushi, Shradha, Kavya  
Class : VI)**

### **HIV AIDS (AEP)**

AIDS stands for '**Acquired Immune Deficiency Syndrome**'. **Human ImmuneDeficiency Virus** (HIV) causes AIDS. The virus attacks the body and leaves the body vulnerable to a variety of life threatening infections.

The virus can be transmitted:

1. By the infected mother to the child.
2. Through blood via blood transfusion or needle syringes.
3. By the body fluid transferred from one infected person to another person.
4. By having multiple partnership relations.

World Aids Day is held on 1<sup>st</sup> December each year and is an opportunity for the people worldwide to unite and fight against HIV, show their support for people living with HIV and to commemorate people who have died. World Aids Day was the first ever global health day and the first one was held in 1988. Around 1 lakh people are currently living with it in UK and globally an estimate 34 million people have HIV. More than 35 million people have died from the virus making it one of the most destructive pandemics in history. Today many scientific advances have been made in HIV treatment, there are laws to protect people living with HIV and we understand so much more about the condition. But despite these people do not know the fact about how to protect themselves and others from HIV. World Aids Day is important as it reminds the public and government that HIV has not gone away. There is still a vital need to raise money, increase awareness, fight prejudice and improve conditions.



#### **HIV Facts:**

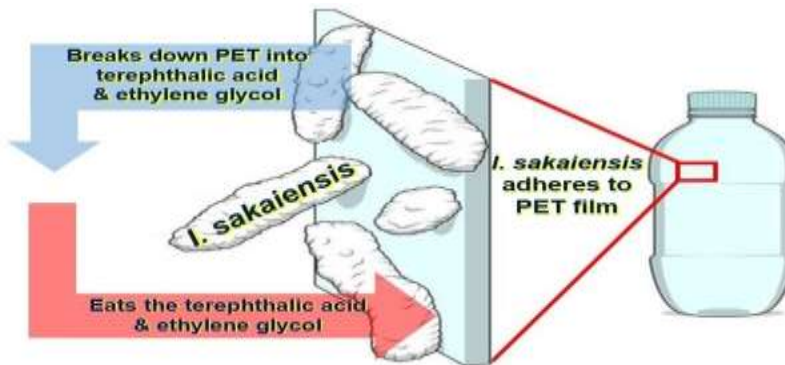
- a. Over 90% of people with HIV were infected through sexual contact.
- b. You can now get tested for HIV using a saliva sample.
- c. HIV is not passed on through spitting, biting or sharing utensils.
- d. Only 1 % of babies born of HIV positive mothers have HIV.
- e. You can get the results of an HIV test in just 15 to 20 minutes.
- f. There is no vaccine and no cure for HIV.

Mahi  
Class V

## WHY DOES SALT MELT ICE AND SNOW

In cold countries, people sprinkle salt on the road or side walk in winters to help for melting of snow and ice. Salt melts ice essentially because adding salt lowers the freezing point of water. Pure water freezes at 32° F or 0°C.

water to  
make it  
when  
ice melts  
formed.  
unable to  
much  
and so



To get salt  
freeze you have to  
colder than 0°C. So  
you add salt to ice, the  
and salt water is  
The salt water is  
re freeze except at a  
lower temperature,  
roads and sidewalks

can remain ice free. Salt lowers the melting point of ice but it won't work if the temperature is below -16°C.

## WHY IS A SHADOW SOMETIMES BIGGER THAN THE OBJECTS

Two things are needed to make a shadow. The first is light and the second is something what blocks the light. Together these two things make an area that is darker than what is around it. This area is called a Shadow. People and objects make shadow when they block the light from the sun. You might have noticed however that sometimes a shadow is bigger than the actual object. This is because the size of shadow depends upon angle at which light hits an object. Light always travels in straight line. So the area that remains dark is larger and as a result the shadow is bigger. It depends on the light how much closer it to the object will enlarge the shadow. Shadows get bigger when an object is close to the light source and get smaller when an object is far away from the light source.

Riya Manesh labhane  
Class:IX

## IDEONELLA SAKAIENSIS

IDEONELLA SAKAIENSIS is a bacterium from genus Ideonella and family comamonadaceae capable of breaking down PET plastic which was isolated from outside a plastic bottle recycling facility. The bacteria were identified in 2016 by a team of researchers from Kyoto Institute of Technology and Keio University.

The bacterium first ever PET was an enzyme that works with water to break down PET plastic. It then breaks it down further using MHET are another enzyme that further reacts with water to break down the plastic into terephthalic acid and ethylene glycol substances which on the in own pose no threat to the environment. The bacterium is Gram negative, aerobic and rod shaped. They are colorless, smooth and circular. Its discovery has potential importance for the recycling process of PET plastics.

Shahid Khan

Class: XII

### **WHY DO WE EAT SPROUTES**

Sprouts are truly but locally grown food, yet not enough people eat or grow them.

Reasons to eat more sprouts:

- Experts estimate that there can be up to 100 times more enzymes in the sprouts than uncooked fruits and vegetables. Enzymes are special types of protein that act as a catalyst for our body functions. Extracting more vitamins, minerals, amino acids and essential fatty acids from the food you eat ensures that your body has the nutritional building blocks of life to ensure every process works more effectively.
- The quality of the protein in the beans, nuts, seeds or the grain improves when it is sprouted. Protein change during the soaking and sprouting process improving its nutritional value. For example the amino acid lysine which is needed to prevent cold spores and to maintain a healthy immune system increase significantly during sprouting process.
- The fiber contents of beans, nuts, seeds or grains increase substantially. Fiber is critical to weight loss.
- Essential fatty acid contents increase during sprouting process. Most of us are deficient in these fat burning essential fats because they are not common in our diet. Eating more is an excellent way to get more of these important nutrients.
- During sprouting minerals bind to the protein in the seed, grain making them more usable in the body. This is true of alkaline minerals like calcium, Magnesium and other than help us to balance our body chemistry for weight loss and better health.
- Sprouts are the ultimate locally grown food. When you grow them, you are helping the environment and ensure that you are not getting unwanted pesticides, food activities and other harmful fat bolstering chemicals that thwart your weight loss efforts.
- The energy contained in the seed, grain, nut or legume is ignited through soaking and sprouting.
- Sprouts are alkalizing to your body. Many illnesses including cancer have been linked to excess acidity in the body.
- Sprouts are inexpensive. People frequently use the cost of healthy food as an excuse for not eating healthy. But with sprouts being so cheap there really is no excuse for not eating healthy food.

Awantika Khobragade



### **SYMPTOMS**

The main symptom of vitamin K deficiency is excessive bleeding. Keep in mind that bleeding may happen in areas other than at acute or wound site. This bleeding may also be apparent if someone:

- Bruises easily
- Gets small blood clots underneath their nails.
- Bleeds in mucous membrane that line areas inside the body.
- Produces stool that look dark black and contains some blood.

In infants, doctors may observe vitamin K deficiency if there is:

- Bleeding in the skin, nose, the gastrointestinal tract or other areas.
- Bleeding from the area where the umbilical cord is removed.
- Bleeding at penis if the baby has been circumcised.
- Sudden bleeding in the brain which is extremely dangerous and life threatening.

### **Causes:-**

Although vitamin K deficiency is uncommon in adults, certain people are at increased risk if they:

- Take antibiotics.
- Have a condition that causes the body to not absorb fat properly.
- Have a diet that is extremely lacking in vitamin K.

### **How to prevent Vitamin K deficiency?**

There is no set amount of vitamin K that you should consume each day. But on an average day consider 120 mg adequate for men and 90 mg adequate for women. Some foods including leafy green vegetables are extremely high in vitamin K and will give you all you need in one serving. A single shot of vitamin K at birth can prevent a problem in newborn. People with conditions involving fat mal-absorption should speak to their doctors about taking a vitamin K supplement and having their levels monitored. The same goes for people taking warfarin and similar anticoagulants.

AshmitNandurkar

Class IX

### **Why do cut slices of apple become brown?**

All cells contain 1000 of enzymes .These enzymes do all the work necessary for the cell to livelt's life. The actual mechanism that causes browning in apples and potatoes involve enzymesCalled Polyphenol Oxidase also known as Tryosinose and an amino acid called Tyrosia. AminoAcids are used to build proteins .once you cut the fruit, you open up some of the cells andexpose them to the oxygen in the air. Oxygen combines with tyrosine to make a dark stuff called melanin and tyrosinose speeds up the process. That's why a cut apple darkens.

**But we can avoid this browning of apple by putting some drops of lemon which help to Stop the process of oxidation.**

### Why does metal feel cold?

You must have noticed that anything made of metal feels cold to the touch .This is becausemetal is a good conductor of heat and heat flows through it easily. Your fingers are warmfrom your body heat and when you touch a metal surface, the heat from your fingersflows to the surface of the metal . The heat moves on through the metal, so that it staysCooler than your skin and heat continues to flow from your fingertips to the metal. Whenthe skin on your fingers loses heat, it feels cold and as a result, the metal feels cold.

**Name: karina T. Sahu**

**Class: IX**

### WITHOUT YOU..... SUN

Space has so many glittering stars, from Earth, they are extremely far.  
Our Sun is one of these fiery spheres with fuel to last five billion years.

Our sun will explode one day .....

Probability on second of May.

I imagine the day the world without sun.

Devil of darkness over the world under its arm and everybody will  
sleep in brutal claws slowly , slowly and forever .

**Name: Neha .D .Mathane**

**Class : IX**



### ELECTRICITY AND CIRCUITS

**Electricity:** A flow of charges is called Electricity.

**Circuit:** Path of charges which move on a particular direction is called Circuit.

**Filament:** The thin wires that give off light is called the filament of bulb. It is made up of Tungsten metal.

**Conductor:** Substances which are able to conduct electricity are called conductors.

E.g.: All metals.

**Insulators:** Those substances which are not able to conduct electricity are called Insulators.

E.g.: Plastic, paper, thermacol.

**Components of circuit:** Wire, Copper wire, bulb, key, cell.

**Types of charges:** Positive charges, Negative charges.

संस्कृत

## गीतम्

लोकहितं मम करणीयम्

मनसा सततं स्मरणीयम्

वचसा सततं वदनीयम्

लोकहितं मम करणीयम् ॥ 1 ॥

न भोगभवने रमणीयम्

न च सुखशयने शयनीयम्

अहर्निशं जागरणीयम्

लोकहितं मम करणीयम्॥2॥

न जातु दुःखं गणानीयम्

न च निजसौख्यम् मननीयम्

कार्यक्षेत्रे त्वणीयम्

लोकहितं मम करणीयम् ॥3॥

इषिका

कक्षा -x

## महेश्वर सूत्र

नृतावसाने नटराजराजो ननाद ढक्कां नवपञ्चवारम्

उद्धर्तुकामः सनकादिसिद्धादिनेतद्विमर्शं शिवसूत्रजालम्

At the end of his cosmic Dance, Shiva the lord of dance

With a view to bless the sages sankha and so on played on his damaru fourteen times from which emerged the following fourteen sutras, popularly known as Shiva sutras or maheshwara sutras.

कौटिल्य

कक्षा -viii



## प्रकृतिः

यथाकारास्थितो नित्यं वायुः सर्वत्रगोमहान् ,  
तथा सर्वाणि भूतानि मत्स्यानित्युपधार ।  
सर्वभूतानि कौन्तेय प्रकृति यान्ति मामिकाम् ,  
कल्पक्षये पुनस्तानि कल्पादो विसृजाम्याहम् ।  
प्रकृतिः स्वामवष्टभ्य विसृजामि पुनः पुनः ,  
भूतग्राममिमं कृत्स्त्रमवशम् प्रकृतेर्वशात् ।  
न च मां तानि कर्माणि निबध्नन्ति धन्जय ,  
उदासिनवदासिनमसाकं तेषु कर्मसु  
मयाध्यक्षेण प्रकृतिः सूयते सचराचरम्  
हेतुनानेन कौन्तेय जगद्विपरिवर्तते ॥

अतिर्था

कक्षा 8 -

# Math



## **Trigonometric be used in everyday life;**

Trigonometric simply means calculation with triangle (that's where the tri corners from) it is a study of relationship in mathematics involving lengths, height and angles of different triangle. The field emerged during the 3<sup>rd</sup> century bc from application of geometry to astronomical studies. Trigonometric spreads its application into various fields such as architect surveyors' astronauts physicist, engineers and even crime scene investigators.

Now before going to the details of its application answer a question, "have you ever wondered what field of science first used trigonometric?"

The immediate answer expected would be mathematics but it doesn't stop there even physics uses a lot of concept of trigonometry. Another answer according to Morris kline, in his book named mathematical. Thought from Ancient to modern times, proclaimed that, trigonometry was first developed in connection with astronomy, with applications to navigation and construction of calendars. This was around 2000 years ago. Geometry is much older and trigonometry is built upon geometry'. However the origins of trigonometry can be trace to the civilization of ancient Egypt, Mesopotamia and India more than 4000 years ago.

Trigonometry can be used for measure the height of a building or mountains.

If you know the distance from where you observe the building and the angles of elevation you can easily find the height of the building, Similarly, if you have the value of one side and the angle of depression from the top of the building you can find and another side in triangle all you need to know is one side and angle of the triangle.

**Lavanya Basole**

**Class 7<sup>th</sup>**

## **गणित का महत्त्व**

क्या लिखु , गणित के लिए

क्या लिखु , अल्फा ,बीटा, गामा के लिए

गणित ने रचा इतिहास सारा

गणित के बिना सुना संसार हमारा |

भाग , जोड़, गुना का खेल है सारा ,  
गणित के बिना सुना जीवन हमारा ।  
सो ना पाते, जाग ना पाते ,  
वर्षों कैसे गिन पाते  
गणित का ना होता सहारा ,  
सोचो कैसा होता जीवन हमारा ?  
जिन्दगी एक इक्वेशन है ,  
इक्वेशन एक जिन्दगी है ,  
गणित ना होता तो सोचो क्या होता ?  
चाँद पर ना पहुँच पाते  
धरती से चाँद की दूरी कैसे नापते ?  
गणित बिना क्या जिन्दगी हमारी .....  
शून्य बिना गिनती कैसे सीख पाते,  
शून्य ना होता गिनती ना होती  
बोलो दो और दो , चार कैसे हो पाते ?  
राम गये वनवास , पूरी प्रजा निराश ,  
गिनती ना होती बोलो कैसे आस लगाते ?  
दिन ना होते ,हफ्ते ,महीने ,साल ना होते  
कैसे जीते ,कैसे मर पाते ?  
न्यूटन ना होता आइन्स्टाइन ना होता  
ना होते अब्दुल कलाम ..

बोलो गणित के बिना, खोज कैसे कर पाते ?

क्या लिखु और गणित के लिए

मैं तो यही कहूँगी ,

जो समझे इसे बहुत बड़ा ज्ञानी है

गणित एक लम्बी कहानी है

गणित सारे विषयों की

सुंदर सी एक रानी है ।

रिया लभाने

कक्षा-९

### **What are the uses of similar triangles in real life?**

Similar triangles may show up everywhere in real life even if we are unable to notice them at first. The use of similar triangle is of utmost importance where it is beyond our reach to physically measure the distance and heights with simple measuring instruments. Still there are many applications that are beyond our knowledge where the simple concepts of similar triangles can creates magical consequence and influence that particular area to a great extent and aid us to create a greater extent when we try to explore something new.

The uses of similar triangles thus can influence the varied number of fields. This numerous applications are majorly in the field of engineering, architecture and construction can be status as:

- In the vast area of architecture, similar triangles are play an important role to represent the doors in the structure designed and how far they swing open.
- Analyzing the shadows that make triangles we can determine the actual height of the object.
- Generally used to analyze the stability of bridges. Stability is an important factor when something is build.
- Sometimes used in aerial photography to determine the distance from sky to a particular point on ground.
- Useful in measurement of room and scale size in construction.

- Generally used in determining the distance between light and the target in the light beams.
- You can determine the height of any building, objects, peoples and length of people too with the use of scale modeling based on similar triangles.
- For some cases in the real life project they are used to hold the ground when an earthquake arises.
- In construction to build the A-frame houses as the frame helps to reflect the similarity due to similar triangles when the bar of the frame is placed parallel to the ground.
- Architect may sometimes use concept of similar triangles to aid in design of their work.

There may be many more areas that are not being listed here. As far as major applications are concerned then the above list can serve the purpose. Hope this helps. Apologies if any of the application is missed.

**Shraddha Akare**

**Class 9<sup>th</sup>**

### **Islamic Mathematics –Al-Khwarizmi**

One of the first directors of the house of wisdom in Bagdad in the early 9<sup>th</sup> CE was an outstanding Persian mathematician called **Muhammad Al- Khwarizmi**.

In particular, Al-Khwarizmi developed a formula for systematically solving quadratic equations (equations involving unknown numbers to the power of 2, or  $x^2$ ) by using the methods of completion and balancing to reduce any equation to one of six standard forms, which were then solvable. He described the standard forms in terms of "squares" (what would today be " $x^2$ "), "roots" (what would today be " $x$ ") and "numbers" (regular constants, like 42), and identified the six types as: squares equal roots ( $ax^2 = bx$ ), squares equal number ( $ax^2 = c$ ), roots equal number ( $bx = c$ ), squares and roots equal number ( $ax^2 + bx = c$ ), squares and number equal roots ( $ax^2 + c = bx$ ), and roots and number equal squares ( $bx + c = ax^2$ ).

Al-Khwarizmi is usually credited with the development of lattice (or sieve) multiplication method of multiplying large numbers, a method algorithmically equivalent to long multiplication. His lattice method was later introduced into Europe by [Fibonacci](#).

**Ma.Adarsh Tiwari**

**Class 7th**

## **Life without Mathematics**

Do any of us realize the importance of math in our daily life? This is a subject that is applied to every field and profession. To help us realize this why don't we imagine a world without math?

Imagine living your day without a watch and a calendar both the watch and the calendar use numbers. The most basic and important of mathematics characters. How would you know the time of the day? Wouldn't miss your own birthday without a calendar? Consider this you go to a shop to buy something but since this is a world without math, you don't know measurements. So, what do you do? A Doctor checking your heartbeats they have to know how to count. Without mathematician engineer cannot build a bridge . A Quantity checker chemist cannot prepare medicines.

How about inevitable parties or cocktail that you have to host. You were taught addition, subtraction, multiplication and division in your primary classes. Since then, you have been applying these elementary concepts to learn new concepts. Can you solve a question of simple interest, highest common factors, percentage. Area, volume, algebra trigonometry etc. without using this concepts? In math is based on these basic concept. It is when the basic elementary concepts are not clear that we fail to apply these concepts to our new taught concepts.

Ku.Neha Mathane

Class 9<sup>th</sup>

**THANK YOU**